HSSLiVE.IN HSSLiVE.IN HSSLiVE.IN HSSLiVE.IN HSSLiVE.IN

Code No: 03

HIGHER SECONDARY
FIRST TERMINAL SECOND YEAR EXAMINATION 2018-19
PART II

HSE II

HINDI

Maximum : 80 Scores
Time : $2^1/_2$ hrs
Cool off time : 15 Minutes

General Instructions to Candidates:

- There is a 'Cool off time' of 15 minutes in addition to the writing time.
- User the 'Cool off time' to get familiar with questions and to plan your answers,
- Read the instructions carefully
- Read questions carefully before answering

सूचना : कविताँश पढे और । से 3 तक के प्रश्नों का उत्तर लिखें।

जिसके रज में लोट - लोट कर बडे हुए हैं।
घुटनों के बल सरक - सरक कर खडे हुए हैं।
परमहंस सम बाल्यकाल में सब सुख पाए।
जिसके कारण धूल भरे हीरे कहलाए।
हम खेले - कूदे हर्षयुत, जिसकी प्यारी गोद में।
हे मातृमूमि! तुझको निरख, मग्न क्यों न हो मोद में?

1. 'आनंद' का समानार्थी शब्द कविता से ढूँढकर लिखें। 1
(मोद, निरख, प्यारी)

2. हम कैसे बडे हुए हैं? 1

3. कवि एवं काव्यधारा का परिचय देते हुए कवितॉश की आस्वादन टिप्पणी लिखें। 6

4. तालिका से सही शब्द चुनकर मिलान करें। 4x1=4

अनाथ	तोहफा
देश	गुंजाइश
संभावना	मुल्क
इनाम	यतीम

सूचना 5 से 8 तक के प्रश्नों में से किन्हीं तीन का उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें। 3x2 =6

5. " नदियाँ प्रेम प्रवाह फूल तारे मंडन हैं "। यहाँ कवि ने नदियाँ और फूल तारे का वर्णन किन - किन रूपों में किया है?

6. फिर वही हुआ, जिसका डर था। हमारा खर्चा आधा कर दिया। कैदियों का खर्चा क्यों आधा कर दिया गया?

7. सुतमुख देखि जसोदा फूली
हरषित देखि दूध की दँतियाँ प्रेम मग्न तनु की सुधि भुलि।।
यशोधा माँ अपने आप को भूल गई । कब और क्यों?

8. भारत के अलावा अनेक देशों के हिंदी लेखक, हिंदी प्राध्यापक,
हिंदी प्रचारक, हिंदी सेवी अपनी उपस्थिति का अहसास जता रहे हैं।
सुरीनाम के विश्व हिंदी सम्मेलन में कौन - कौन भाग ले रहे हैं?

सुचना : 9 से 13 तक के प्रश्नों में से किन्हीं चार का उत्तर चार या पाँच वाक्यों में लिखें। 4x5 = 20

9. मुरली की ध्वनि में लीन प्रणयातुर गोपिकाओं का वर्णन सूरदास ने किया है। "हे कान्ह"......... पद के आधार पर टिप्पणी लिखें।

- मुरली की मधुर ध्वनि सुनना
- प्रणयातुर होकर कृष्ण के पास पहुँचना

10. जीवन वृत्त के आधार पर हिमाँशु जोशी के बारे में एक अनुच्छेद तैयार करें।

जीवन - वृत्त		
नाम	-	हिमाँशु जोशी
जन्म	-	1935
जन्म स्थान	-	उत्तराखंड
कर्मक्षेत्र	-	पत्रकारिता, आकाशवाणी
प्रमुख रचनाएँ	-	यात्राएँ, नॉर्वो, सूरज चमक आधी रात

11. पाकर तुझसे सभी सुखों को हमने भोगा।
तेरा प्रत्युपकार कभी क्या हमसे होगा?
तेरी ही यह देह, तुझी से बनी हुई है
बस तेरे ही सुरस -सार से सनी हुई है।

तेरा प्रत्युपकार कभी क्या हमसे होगा? माँ और मातृमूमि का प्रत्युपकार कभी नहीं कर सकता। कवि इस प्रकार क्यों सोचता है?

12. **पारामारिबो शहर सुरीनामी नहीं, एक भारतीय शहर जैसा लग रहा है। लेखक को ऐसा क्यों लगा?**

- आबादी - लगभग साढे चार लाख
- भारतीय मूल - सैंतीस प्रतिशत

13. **कितनों के बाप, कितनों के बेटे, कितनों के भाई फाँसियों पर चढ गए। कितने बच्चे यतीम हो गए, कितनी औरतें बेवा हो गई।**

उपर्युक्त कथन के आधार पर बादशाह के चरित्र पर टिप्पणी लिखें।

- अंग्रेजों की निर्दयता
- देशवासियो के प्रति प्यार
- देशप्रेम

सूचना : खंड पढें और 14 से 15 तक के प्रश्नों का उत्तर लिखें ।

कई वर्षों पहले हमने नियति को मिलने का एक वचन दिया था, और अब समय आ गया है कि हम अपने वचन को निभाएँ, पुरी तरह न सही लेकिन बहुत हद तक आज रात बारह बजे जब सारी दुनिया सो रही होगी, भारत जीवन और स्वतंत्रता की नई सुबह के साथ उठेगा। एक ऐसा क्षण जो इतिहास में बहुत ही कम आता है, जब हम पुराने को छोड नए की तरफ जाते हैं, जब एक युग का अंत होता है और जब वर्षों से शोषित एक देश की आत्मा अपनी बात कह सकती है, यह एक संयोग है कि इस पवित्र मौके पर हम समर्पण के साथ खुद को भारत और उसकी जनता की सेवा और उससे भी बढकर सारी मानवता की सेवा केलिए प्रतिज्ञा ले रहे हैं।

14. स्वतंत्रता की पवित्र मौके पर हमें किन - किन की प्रतिज्ञा लेनी है? 2
15. खंड का संक्षेपण करें और शीर्षक दें। 6

सूचना : 16 से 19 तक के प्रश्नों से किन्हीं तीन का उत्तर लिखें। 3x 6 =18

16. स्वतंत्रता दिवस समारोह के सिलसिले पर स्कूल सभागृह (Auditorium) में स्वतंत्रता संग्राम से संबन्धित एक "फोटो प्रदर्शिनी " (Photo exhibition) चल रही है। इस का उद्घाटन जिलादीश (Dist: Collector) करेंगे। इसकेलिए एक पोस्टर तैयार करें।

17. क्या लिखवाऊँ बेटी कि मुझपर तुम्हारे खत का क्या असर हुआ। तीन दफा सुनने के बाद भी दिल को करार नहीं आया।

बेटी के आँसुनामा ने बादशाह के मनको विचलित कर दिया। वे उस दिन की डायरी में इसका जिक्र करते हैं। बादशाह की डायरी तैयार करें।

- परिवार वालों की सोच
- दिल्लीवालों के प्रति आकुलता
- खत पढने पर उत्पन्न दर्द
- भविष्य के प्रति आशंका

18. निम्नलिखित अंग्रेज़ी खंड का हिंदी में अनुवाद करें।

Nobody likes to live in slavery. Everybody loves freedom. Even birds and animals like to live in a free atmosphere. We salute our freedom fighters who gave their lives to make it possible for us to breath in free India.

(slavery	-	गुलामी,	atmosphere	-	वातावरण,
salute	-	सलामी देना	Freedom fighters	-	स्वतंत्रता सेनानी,
lives	-	प्राण,	make it possible	-	संभव होना,
to breath	-	साँस लेना)			

19. ब्रिटीश सरकार ने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की पहली लडाई को परास्त करके दिल्ली के शासक बहादुरशाह ज़फर को रंगून भेज दिया। अगले दिन की समाचार पत्र में यह घटना आयी। वह समाचार तैयार करें।

- प्रथम स्वतंत्रंता संग्राम
- अंग्रेज़ों की जीत
- दिल्लीवालों की बुरी हालत
- बादशाह रंगून में कैद

सूचना : 20 से 22 तक के प्रश्नों से किन्हीं दो के उत्तर लिखें। 2x8=16

20. "भारत की सेवा का अर्थ है लाखों - करोडों पीडित लोगों की सेवा करना। इसका मतलब है गरीबी और अज्ञानता को मिटाना। बीमारियों और अवसर की असमानता को मिटाना। हमारी पीढी के सब से महानव्यक्ति की यही महात्वाकाँक्षा रही है कि हर एक आँख से आँसु मिट जाएँ।"

गद्यांश के आधार पर "मेरे सपनों का भारत" विषय पर निबंध तैयार करें।

- साक्षर भारत
- स्वस्थ भारत
- स्वच्छ भारत
- असमानता से मुक्त भारत

HSSLiVE.IN HSSLiVE.IN HSSLiVE.IN HSSLiVE.IN HSSLiVE.IN

21. विश्व हिंदी सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के बाद लेखक हिमांशुजोशी को सुरिनाम के आफ्रिकी मूल के राष्ट्रपति से मिलने का अवसर मिला। लेखक और राष्ट्रपति के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

- विश्व हिंदी सम्मेलन का आयोजन
- सैंतीस प्रतिशत लोग भारतीय भूल
- हिंदी का प्रचार - प्रसार
- दोनों देशों के बीच आत्मीय संबंध

22. हिमांशु जोशी सुरिनाम के विश्व हिंदी सम्मेलन में भाग लेने केलिए पारामारिबों पहुँचे। वहाँ राष्ट्रपति के अध्यक्ष भाषण से वे बहुत प्रभावित हुए। सुरिनाम के अनुभवों के बारे में वह अपने मित्र को एक पत्र लिखता है। वह पत्र तैयार करें।

- सातवीं विश्व हिंदी सम्मेलन
- सुरिनाम के प्रकृति सौन्दर्य
- हिंदी के प्रचार - प्रसार में हिंदी फिल्मों की भूमिका
- सुरिनामी लोगों का उत्साह